B.Ed IInd year

BEC - 10

Creating an Inclusiv education

* **वैयक्तिक विभिन्नता का अर्थ एवं स्वरूप :-** किन्हीं दो व्यक्तियों की आकृति, शीलगुण, बुद्धि एवं व्यवहार में जो अंतर होता है उसे वैयक्तिक विभिन्नता कहा जाता है। वैयक्तिक विभिन्नता प्रत्यक्ष रूप शारीरिक एवं मानसिक गुणों से स्पष्टत: झलकती है परन्तु अन्य गुणों में भी वैयक्तिक विभिन्नता परोक्ष रूप से पाई जाती है। स्किनर ने वैयक्तिक विभिन्नता को परिभाषित करते हुए कहा है "एक ऐसी मनोवैज्ञानिक घटना के लिए यह नाम दिया जाता है जो उन विशेषताओं या शीलगुणों पर बल डालता है जिनके अनुसार वैयक्तिक भिन्न भिन्न होते दिखाई पड़ सकते हैं।"

इस परिभाषा से स्पष्ट है कि वैयक्तिक विभिन्नता का संबंध मुख्यतः जीवों या प्राणियों के गुणों या विशेषताओं से होता है। वैयक्तिक विभिन्नता को मुख्यतः दो श्रेणियों में रखा जा सकता है। प्रथम व्यक्ति के अंदर विभिन्नता जिसे अंतर्वैयक्तिक विभिन्नता द्वितीय व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में विभिन्नता होती है जिसे अंतर्वैयक्तिक विभिन्नता कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

वैयक्तिक विभिन्नता के स्वरूप को समझने के लिए आवश्यक है कि इसकी विशेषताओं का अध्ययन किया जाए जो स्कीनर के अनुसार निम्न हैं:-

* विभिन्नता:- विभिन्नता से तात्पर्य किसी समूह के व्यक्तियों के विभिन्न तरह के शीलगुणों में पाये जाने वाले अंतर से होता है। अतः वैयक्तिक विभिन्नता की पहली विशेषता यह है कि कोई भी शीलगुण दो व्यक्तियों में समान मात्रा में नहीं पाया जाता है।

* प्रसामान्यता:- प्रसामान्यता एक सांख्यिकीय संप्रत्यय है। जिसके द्वारा विभिन्नता की व्याख्या की गई है। प्रसामान्यता का तात्पर्य है व्यक्तियों को यदि किसी शीलगुण पर मापा जाए तो बहुत कम ही व्यक्तियों में वह गुण कम या अधिक मात्रा में होगा, अधिकतम व्यक्तियों में वह शीलगुण सामान्य मात्रा में होगा।

* वृद्धि की विभेदता:- हर बालकों के शारीरिक विकास एवं परिपक्वता की दर भिन्न-भिन्न होती है। एक ही उम्र के सभी बालकों में परिपक्वता तथा शारीरिक विकास में अंतर होता है।

Scanned with CamScanner

* सीखने की विभिन्न दर → एक ही उम्र के बालकों में सीखने की क्षमता अलग-अलग होती है। सीखने की क्षमता में अंतर विभिन्न कारणों से होती है। जिसमें एक प्रमुख कारण शारीरिक विकास एवं परिपक्वता है।

* शीलगुणों के परस्पर संबन्ध :- किसी एक शीलगुण में अंतर दूसरे शीलगुणों को प्रभावित कर देता है। क्योंकि सभी शीलगुण किसी न किसी प्रकार एक दूसरे से संबन्धित होते है। जैसे यदि कोई बालक यह महसूस करता है कि शिक्षक उसकी अवहेलना करते हैं तो इससे उस छात्र की पढ़ाई में अभिरुचि कम हो जाती है तथा उपलब्धि एवं मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो जाती है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि वैयक्तिक विभिन्नता में किसी एक व्यक्ति की आपसी विभिन्नता तथा उसकी अन्य से विभिन्नता का अध्ययन किया जाता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि वैयक्तिक विभिन्नता बहुविमीय संप्रत्यय है।

Scanned with CamScanner